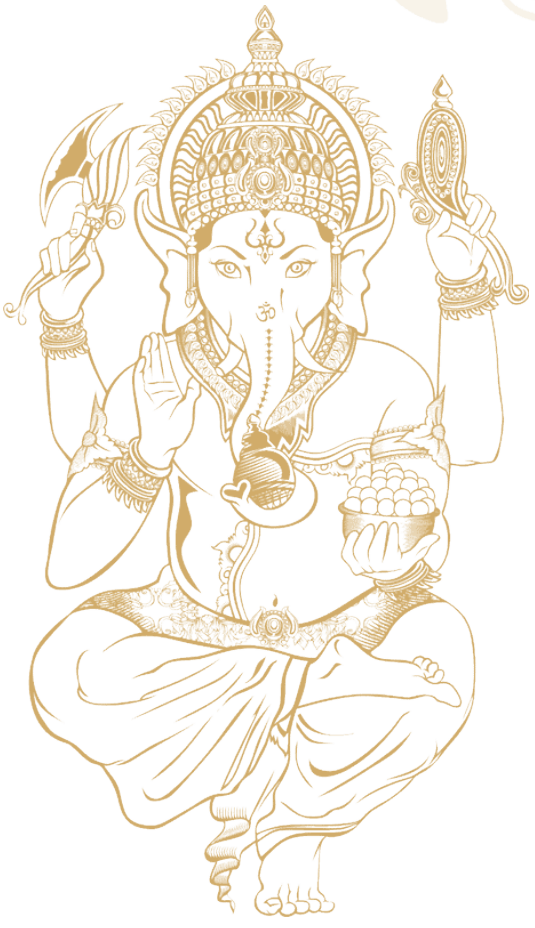

Ms. Shriyank

Mr. Jayati soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119985602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	06/04/1995
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:16:55	जन्म समय	07:45:45 घंटे
घटी 27:49:28	जन्म समय(घटी)	04:33:37 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Indore
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:15:13
18:20:20	सूर्यास्त	18:43:10
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 25दि	25:52:28	सिंह	लग्न	मेष	19:10:01	मंगल 4वर्ष 2मा 24दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	मीन	22:01:56	गुरु
17/02/2024	18:03:54	धनु	चंद्र	वृष	28:36:10	30/06/2017
17/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	कर्क	20:15:37	30/06/2033
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	मीन	13:18:59	गुरु 18/08/2019
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	21:33:25	शनि 28/02/2022
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	कुंभ	16:51:04	बुध 05/06/2024
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	कुंभ	24:56:17	केतु 12/05/2025
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु	तुला	11:54:16	शुक्र 11/01/2028
केतु 11/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु	मेष	11:54:16	सूर्य 29/10/2028
शुक्र 13/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	06:19:30	चन्द्र 28/02/2030
सूर्य 19/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	01:37:31	मंगल 04/02/2031
चन्द्र 17/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:30:42	राहु 30/06/2033

लग्न-चलित

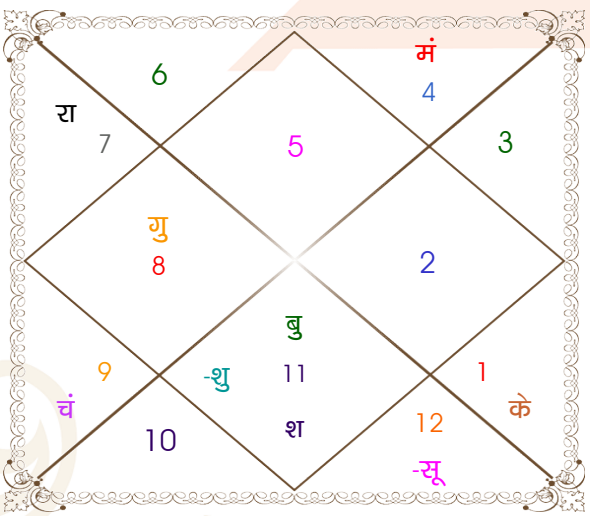

लग्न-चलित

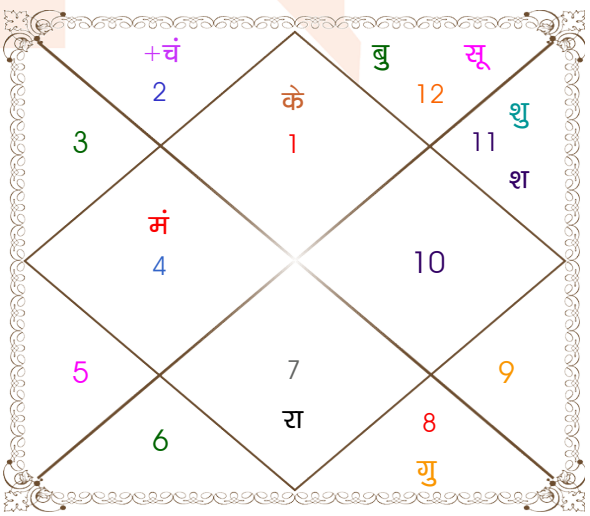

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. Jayati soni का नक्षत्र मृगशिरा है।

डेण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा Mr. Jayati soni का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डेण्ौतपलंदा और Mr. Jayati soni का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डेण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. Jayati soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Jayati soni कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Jayati soni कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. Jayati soni कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ौतपलंदा कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डेण्ौतपलंदा तथा Mr. Jayati soni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।